पाठ-1 प्रार्थना

जय माँ ऊँचे ज्ञान दे,
तू मुझको वरदान दे।
सत्य, अहिंसा, प्रेम, एकता
जीवन का आधार बने,
विश्वशांति वह मार्ग हो
जीवन की पतवार बने,
विचलित पथ से कभी न होऊँ
मुझ पर मेरे इच्छा दे।
जय माँ ऊँचे ज्ञान दे,
तू मुझको वरदान दे।
विजयी सत्य हमेशा होवे
बने अहिंसा हितकारी

Teacher's Signature....................

MIRACLE
PAGE NO.:
DATE:

रहे सदा आकर्षित करती
नैतिकता की छवि प्यारी,
लगे गूंजने सुमधुर वाणी
मुझको ज्ञान महान दे।
जय माँ अंबे ज्ञान दे,
तू मुझको वरदान दे।

Scanned with CamScanner

PAGE NO.:
DATE:

Date
11/5/2020

पाठ : 1 प्रार्थना

कठिन शब्द

1. चिंतन
2. मौखिक
3. अवबोधन
4. काव्य पाठ
5. अभिव्यक्ति
6. आकर्षित
7. सच्चाई
8. प्रेम
9. मृदु
10. अहिंसा

Scanned with CamScanner

MIRACLE
PAGE NO.:
DATE:

पाठ - 1 प्रार्थना

शब्दार्थ :

1. अहिंसा - किसी को न सताना
2. मृदु - कोमल
3. पतवार - सहारा
4. विचलित - डगमग होना
5. आकर्षित - अपनी ओर खींचने वाली
6. सुमधुर - बहुत मीठा
7. भाव - मन के विचार
8. नैतिकता - सच्चाई, ईमानदारी, प्रेम, करुणा आदि गुण

Scanned with CamScanner

PAGE NO.
DATE:

पाठ- 2

हाकिम का न्याय

शब्दार्थ

1 आवाजाही - आना - जाना

2. झट - तुरंत

3 एकत्र - इकट्ठा

4. हाकिम - अधिकारी

5 कचहरी - कोर्ट

6 निर्णय - फैसला

7 हाथ-पाँव मारना - बहुत प्रयास करना

8 दुविधा- क्या करूँ, क्या न करूँ की स्थिति

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

MIRACLE
PAGE NO :
DATE:

पाठ - 2

उत्तर: (मौखिक)

राधा घी कैसे निकालती थी?
मन्थन से।

दूसरी औरत ने क्या तर्क देकर हाकिम से न्याय माँगा?
एक भेड़ रखने वाली औरत एक मटकी घी कैसे जमा कर सकती है?"

राधा के किस गुण को देखकर हाकिम ने न्याय दिया?
उसके संयम को देखकर।

MIRACLE
PAGE NO
DATE:

लिखित प्रश्नोत्तर

प्र०1 जरूरत का सामान खरीदने के लिए राधा ने क्या सोचा ?

उत्तर उसने सोचा, अगर घी को नगर में बेचा जाए तो काफ़ी पैसे मिल जाएँगे।

प्र०2 राधा को नींद आने पर क्या हुआ ?

उत्तर राधा को नींद आने पर उसने देखा कि एक औरत उसकी मटकी उठाकर ले गई।

प्र०3 हाकिम ने न्याय कैसे किया ?

उत्तर हाकिम ने दोनों को एक बड़ा लोटा पानी दिया। समझदार राधा ने हाथ-पाँव धोने के बाद भी थोड़ा सा पानी बचा लिया। परंतु दूसरी औरत केवल हाथ ही साफ़ कर पाई। उसने

Teacher's Signature.....

Scanned with CamScanner

MIRACLE
PAGE NO.:
DATE:

देख लिया कि भेड़ वाली औरत में संयम था।

यह देखकर न्याय किया।

Scanned with CamScanner